શિક્ષણ સાગર સંપાદિત

हिन्दी
પ્રાર્થના પોથી

एक तू ही भरोसा

एक तू ही भरोसा, एक तू ही सहारा
इस तेरे जहां में नहीं कोई हमारा
हे ईश्वर, या अल्लाह, ये पुकार सुन ले
हे ईश्वर, या अल्लाह, हे दाता
हे ईश्वर... एक तू ही भरोसा...

हमसे न देखा जाए, बरबादियों का समा
उजड़ी हुई बस्ती में, ये तड़प रहे इंसाँ
नन्हें जिस्मों के टुकड़े लिये खड़ी एक माँ
बारूद के धुंए में, तू ही बोल, जाए कहाँ
एक तू ही भरोसा...
नादाँ हैं हम तो मालिक, क्यूँ दी हमें ये सज़ा
या है सभी के दिल में, नफ़रत का ज़हर भरा
इन्हें फिर से याद दिला दें, सबक वो ही प्यार का
बन जाए गुलशन फ़िर से, काँटों भरी दुनिया
एक तू ही भरोसा...
मेरी पुकार सुन ले
हे ईश्वर या अल्लाह
मेरी पुकार सुन ले...

तू बड़ा मेहरबान

तू बड़ा मेहरबान तू बक्शीस कर
तेरी है ज़मीन तेरा आसमान

तू बड़ा मेहरबान तू बक्शीस कर
सभी का है तू, सभी तेरे
ख़ुदा मेरे तू बक्शीस कर

तेरी है ज़मीन तेरा आसमान

तू बड़ा मेहरबान तू बक्शीस कर
सभी का है तू, सभी तेरे
ख़ुदा मेरे तू बक्शीस कर

तेरी है ज़मीन तेरा आसमान

तू बड़ा मेहरबान तू बक्शीस कर
सभी का है तू, सभी तेरे
ख़ुदा मेरे तू बक्शीस कर

तुम्ही हो माता

तुम्ही हो माता, पिता तुम्ही हो ।
तुम्ही हो बंधू, सखा तुम्ही हो ॥
तुम्ही हो माता, पिता तुम्ही हो ।
तुम्ही हो बंधू, सखा तुम्ही हो ॥
तुम ही हो साथी, तुम ही सहारे ।
कोई ना अपना सिवा तुम्हारे ॥
तुम ही हो साथी, तुम ही सहारे ।
कोई ना अपना सिवा तुम्हारे ॥
तुम ही हो नईया, तुम ही खिवईया ।
तुम ही हो बंधू, सखा तुम ही हो ॥
तुम ही हो माता, पिता तुम्ही हो ।
तुम ही हो बंधू, सखा तुम्ही हो ॥
जो खिल सके ना वो फूल हम हैं ।
तुम्हारे चरणों की धूल हम हैं ॥
जो खिल सके ना वो फूल हम हैं ।
तुम्हारे चरणों की धूल हम हैं ॥
दया की दृष्टि, सदा ही रखना ।
तुम ही हो बंधू, सखा तुम्ही हो ॥
तुम्ही हो माता, पिता तुम्ही हो ।
तुम्ही हो बंधू, सखा तुम्ही हो ॥
तुम्ही हो माता, पिता तुम्ही हो ।
तुम्ही हो बंधू, सखा तुम्ही हो ॥

जग में सुन्दर है दो नाम

जग में सुन्दर है दो नाम, चाहे कृष्ण कहो या राम
बोलो राम राम राम, बोलो श्याम श्याम श्याम

माखन ब्रज में एक चुरावे, एक बेर के खावे
प्रेम भाव से भरे अनोखे, दोनों के है काम

एक कंस पापी को मारे, एक दुष्ट रावण संहारे
दोनों दीन के दुःख हरत है, दोनों बल के धाम

एक हृदय में प्रेम बढावे, एक ताप संताप मिटावे
दोनों सुख के सागर है, और दोनों पूरण काम

एक राधिका के संग राजे, एक जानकी संग बिराजे

मेरा आपकी कृपा से

मेरा आपकी कृपा से, सब काम हो रहा है।
करते हो तुम कन्हैया, मेरा नाम हो रहा है॥
पतवार के बिना ही, मेरी नाव चल रही है।
हैरान है ज़माना, मंजिल भी मिल रही है।
करता नहीं मैं कुछ भी, सब काम हो रहा है॥
तुम साथ हो जो मेरे, किस चीज की कमी है।
किसी और चीज की, अब दरकार ही नहीं है।
तेरे साथ से गुलाम, अब गुलफाम हो रहा है॥
मैं तो नहीं हूँ काबिल, तेरा पार कैसे पाऊं।
टूटी हुयी वाणी से, गुणगान कैसे गाऊं।
तेरी प्रेरणा से ही, सब ये कमाल हो रहा हैं॥
मुझे हर कदम कदम पर, तूने दिया सहारा।
मेरी ज़िन्दगी बदल दी, तूने करके एक इशारा।
एहसान पे तेरा ये, एहसान हो रहा है॥
तूफ़ान आंधियों में, तूने ही मुझको थामा।
तुम कृष्ण बन के आए, मैं जब बना सुदामा।
तेरे करम से अब ये, सरेआम हो रहा है॥
मेरा आपकी कृपा से, सब काम हो रहा है।
करते हो तुम कन्हैया, मेरा नाम हो रहा है॥

हमको मन की शक्ति देना

हमको मन की शक्ति देना मन विजय करें दूसरों की जय से
पहले खुद को जय करें
हमको मन की शक्ति देना मन विजय करें दूसरों की जय से
पहले खुद को जय करें
हम को मन की शक्ति देना भेदभाव, भेदभाव अपने दिल से
साफ़ कर सके
दोस्तों से भूल हो तो माफ़ कर सकें झूठ से बचे रहें, सच का दम
भरे
दूसरों की जय से पहले खुद को जय करें
हम को मन की शक्ति देना मन विजय करें
दूसरों की जय से पहले खुद को जय करें
हम को मन की शक्ति देना....
मुश्किलें पड़े तो हम पे इतना कर्म कर
साथ दे तो धर्म का, चलें तो धर्म पर
खुद पे हौसला रहे, बदी से ना डरें
दूसरों की जय से पहले खुद को जय करें
हम को मन की शक्ति देना मन विजय करें
दूसरों की जय से पहले खुद को जय करें
हम को मन की शक्ति देना

ओ..कान्हा

ओ..कान्हा

ओ कान्हा अब तो मुरली की, मधुर सुना दो तान
ओ कान्हा अब तो मुरली की, मधुर सुना दो तान
मैं हूँ तेरी प्रेम दिवानी
मुझको तु पहचान
मधुर सुना दो तान..
ओ कान्हा अब तो मुरली की, मधुर सुना दो तान
जब से तुम संग मैंने अपने
नैना जोड़ लिये हैं
क्या मैया क्या बाबुल
सबसे रिश्ते तोड़ लिए हैं
तेरे मिलन को व्याकुल हैं
ये कबसे मेरे प्राण, मधुर सुना दो तान..
ओ कान्हा अब तो मुरली की, मधुर सुना दो तान
सागर से भी गहरी
मेरे प्रेम की गहराई
लोक लाज कुल की मरियादा
सज कर मैं तो आई
मेरी प्रीती से ओ निर्मोही
अब ना बनो अनजान, मधुर सुना दो तान..
ओ कान्हा अब तो मुरली की
मधुर सुना दो तान
मैं हूँ तेरी प्रेम दिवानी
मुझको तुम पहचान
मधुर सुना दो तान… मधुर सुना दो तान…

कभी प्यासे को पानी पिलाया नहीं

कभी प्यासे को पानी पिलाया नहीं
बाद अमृत पिलाने से क्या फायदा
कभी गिरते हुए को उठाया नहीं
बाद आंसू बहाने से क्या फायदा
कभी प्यासे को पानी पिलाया नहीं
बाद अमृत पिलाने से क्या फायदा।। ओ ओ ओ…
मैं तो मंदिर गया पूजा आरती की
पूजा करते हुए ये ख्याल आ गया
मैं तो मंदिर गया पूजा आरती की
पूजा करते हुए ये ख्याल आ गया
कभी माँ बाप की सेवा की ही नहीं
सिर्फ पूजा के करने से क्या फायदा
कभी प्यासे को पानी पिलाया नहीं
बाद अमृत पिलाने से क्या फायदा।।
मैं तो सतसंग गया गुरूवाणी सुनी
गुरू वाणी को सुनकर ख्याल आ गया.. हो हो हो…
मैं तो सतसंग गया गुरूवाणी सुनी
गुरू वाणी को सुनकर ख्याल आ गया
जन्म मानव का लेके दया न करी
फिर मानव कहलाने से क्या फायदा
कभी प्यासे को पानी पिलाया नहीं
बाद अमृत पिलाने से क्या फायदा।।

चोरी चोरी माखन खाइ गयो रे

चोरी चोरी माखन खाइ गयो रे वो तो छोरो ग्वाल को।

मैंने उसे पूछा के नाम तेरा क्या है,
कृष्णा कन्हैया बताई गयो रे, वो तो छोरो ग्वाल को।
मैंने उसे पूछा के गाँव तेरा क्या है,
गोकुल मथुरा बताए गयो रे, वो तो छोरो ग्वाल को।

मैंने उसे पूछा माँ बाप तेरा कौन है,
नन्द यशोदा बताए गयो रे, वो तो छोरो ग्वाल को।
मैंने उसे पूछा के खाना तेरा क्या है,
माखन मिश्री बताए गयो रे, वो तो छोरो ग्वाल को।

मैंने उसे पूछा श्रृंगार तेरा क्या है,
मोतियन की माला बताए गयो रे, वो तो छोरो ग्वाल को।
मैंने उसे पूछा के काम तेरा क्या है,
गैया चराना बताई गयो रे, वो तो छोरो ग्वाल को।

मैंने उसे पूछा के प्यारी तेरी कौन है,
राधा रानी जी बताई गयो रे, वो तो छोरो ग्वाल को।

ये तो सच है की भगवान है

ये तो सच है की भगवान है
है मगर फिर भी अन्जान है
धरती पे रूप माँ-बाप का
उस विधाता की पहचान है
जन्मदाता हैं जो, नाम जिनसे मिला
थामकर जिनकी उंगली है बचपन चला
कांधे पर बैठ के, जिनके देखा जहां
ज्ञान जिनसे मिला, क्या बुरा, क्या भला
इतने उपकार हैं क्या कहें
ये बताना न आसान है, धरती पे रूप...
जन्म देती है जो, माँ जिसे जग कहे
अपनी संतान में, प्राण जिसके रहे
लोरियां होंठों पर, सपने बुनती नज़र
नींद जो वार दे, हँस के हर दुःख सहे
ममता के रूप में है प्रभू
आपसे पाया वरदान है, धरती पे रूप...
आपके ख्वाब हम, आज होकर जवां
उस परम शक्ति से, करते हैं प्रार्थना
इनकी छाया रहे, रहती दुनिया तलक
एक पल रह सकें हम न जिनके बिना
आप दोनों सलामत रहें
सबके दिल में ये अरमान है, धरती पे रूप...

तेरी आराधना करूँ

तेरी आराधना करूँ,
तेरी आराधना करूँ
पाप क्षमा कर, जीवन दे दे
दया की याचना करूँ
तू ही महान, सर्वशक्तिमान
तू ही हैं मेरे जीवन का संगीत
ह्रदय के तार, छेड़े झनकार-2
तेरी आराधना है मधुर गीत-2,
जीवन से मेरे तू महिमा पाये
एक ही कामना करूँ, पाप क्षमा कर...
सृष्टि के हर एक कण कण में
छाया है तेरी ही महिमा का राज,
पक्षी भी करते हैं तेरी प्रशंसा -2
हर पल सुनाते हैं आनंद का राग-2
मेरी भी भक्ति तुझे ग्रहण हो,
ह्रदय से प्रार्थना करूँ, पाप क्षमा कर...
पतित जीवन में ज्योति जला दे,
तुझ ही से लगी है आशा मेरी
पापमय दम तू दूर हटा दे -2
पूर्ण हो अभिलाषा मेरी – 2
जीवन के कठिन दुखी क्षणों का,
दृढ़ता से समाना करूँ, पाप क्षमा कर...

shikshansagar.com · The King of Education

साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल

साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल
दे दी हमे आज़ादी बिना खडग बिना ढाल
साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल २
आंधी में भी जलती रही गांधी तेरी मशाल
साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल।

धरती पे लड़ी तूने अजब ढब की लड़ाई
दागी न कहीं तोप न बन्दूक चलाई
दुश्मन के किले पर भी न की चढ़ाई
वाह रे फ़क़ीर खूब करामात दिखाये।
चुटकी में दुश्मनों को दिया देश से निकाल
साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल।

शतरंज बिछा कर यहां बैठा था ज़माना
लगता था कि मुश्किल फिरंगी को हराना
टक्क्र थी बड़े जोरों की दुश्मन भी था दाना
पर तू भी था बापू उस्ताद पुराना। ।
मारा वो कस के दांव कि उल्टी सभी चाल
साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल।

जब जब तेरा बिगुल बजा जवान चल पड़े
मजदूर चल पड़े थे और किसान चल पड़े
हिन्दू व मुसलमान सिख पठान चल पड़े
क़दमों पे तेरे कोटि -कोटि प्राण चल पड़े। ।
फूलों कि सेज छोड़ के दौड़े जवाहरलाल
साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल।

मन में थी अहिंसा की लगन तन पे लंगोटी
लाखों में घूमता था लिए सत्य की सौंठी
वैसे तो देखने में थी हस्ती तेरी छोटी
लेकिन झुकती थी हिमालय की चोटी। ।
दुनिया में तू बेजोड़ था इंसान बेमिसाल
साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल।

जग में कोई है तो बापू तू ही जिया
तूने वतन की राह में सबकुछ लूटा दिया
माँगा न कोई तख़्त न तो ताज ही लिया
अमृत दिया सभी को मगर खुद ज़हर पिया। ।
जिस दिन तेरी चिता जली रोया था महाकाल
साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल। ।

हे शारदे माँ

हे शारदे माँ, हे शारदे माँ
हे शारदे माँ, हे शारदे माँ
अज्ञानता से हमें तारदे माँ

हे शारदे माँ, हे शारदे माँ
हे शारदे माँ, हे शारदे माँ
अज्ञानता से हमें तारदे माँ
हे शारदे माँ..

तू स्वर की देवी, ये संगीत तुझसे
हर शब्द तेरा है, हर गीत तुझसे

हम है अकेले, हम है अधूरे
तेरी शरण हम, हमें प्यार दे माँ

हे शारदे माँ, हे शारदे माँ
अज्ञानता से हमें तारदे माँ

मुनियों ने समझी, गुनियों ने जानी
वेदोंकी भाषा, पुराणों की बानी

shikshansagar.com · The King of Education · શિક્ષણ સાગર

हम भी तो समझे, हम भी तो जाने
विद्या का हमको अधिकार दे माँ

हे शारदे माँ, हे शारदे माँ
अज्ञानता से हमें तारदे माँ

तू श्वेतवर्णी, कमल पर विराजे
हाथों में वीणा, मुकुट सर पे साजे

मनसे हमारे मिटाके अँधेरे,
हमको उजालों का संसार दे माँ

हे शारदे माँ, हे शारदे माँ
अज्ञानता से हमें तारदे माँ

हे शारदे माँ, हे शारदे माँ
अज्ञानता से हमें तारदे माँ

हे शारदे माँ, हे शारदे माँ
हे शारदे माँ, हे शारदे माँ

SHIKSHAN SAGAR
(શિક્ષણ સાગર)
એપ્લીકેશન ની વિશેષતા

આ એપ્લીકેશન મુખ્ય ત્રણ વિભાગમાં વહેચવામાં આવી છે .

૧. ટીચર ૨. વિદ્યાર્થી
૩. ટીચર હેલ્પ ડેસ્ક

ટીચર – ઓનલાઈન હાજરી , MDM હાજરી , SAS ગુજરાત , ગુણોત્સવ પોર્ટલ , જ્ઞાનકુંજ પ્રોજેક્ટ , GSHALA લોગીન , આધાર ડાયઝ એન્ટ્રી , શિષ્યવૃત્તિ ઓનલાઈન હાજરી , ખેલ મહાકુંભ એન્ટ્રી , ઈન્સ્પાયર એવોર્ડ એન્ટ્રી , CPF ચેક કરો , ઓનલાઈન PLI – LIC ભરો .

અમારા શિક્ષણ સાગર વોટ્સઅપ ગ્રુપમાં જોઈન થાઓ.

શિક્ષણ સાગર
JOIN GROUP

વિદ્યાર્થી – પાઠ્યપુસ્તક , પાઠ આયોજન , શિક્ષક આવૃત્તિ , સ્વ અધ્યયનપોથી , ઓનલાઈન MCQ , યુનિટ ટેસ્ટ , એકમનું સ્વાધ્યાય , MP3 કાવ્ય , અધ્યયન નિષ્પતી , અધ્યયન નિષ્પતી આધારિત પ્રશ્નો , સંદર્ભ સાહિત્ય અને આ બધું પાઠ વાઈઝ

ટીચર હેલ્પ ડેસ્ક – શિક્ષક ઉપયોગી મટેરિયલ્સ , તમારું બનાવેલું મટેરિયલ્સ અમને આપો , તમારે જે મટેરિયલ્સ જોઈએ તે અમને કહો , મૂંઝવણ અને માર્ગદર્શન .

અમારા શિક્ષણ સાગર એપ્લીકેશન પ્લે-સ્ટોર માંથી ડાઉનલોડ કરો.

JOIN
શિક્ષણ સાગર
APPLICATION